<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>दिनांक 25-26 नवंबर, 2013 को नई दिल्ली में रा.आ.बैंक-केएफडब्ल्यू द्वारा ऊर्जा दक्ष आवासों पर प्रथम वार्षिक सम्मेलन</u>

नये ऊर्जा दक्ष रिहायशी आवासों हेतु संवर्धन कार्यक्रम के तहत ऊर्जा दक्ष आवासों पर प्रथम वार्षिक सम्मेलन दिनांक 25-26 नवंबर, 2013 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा दक्ष रिहायशी आवास के कार्यक्रम को आगे बढ़ाना था जो भारत में रा.आ.बैंक और केएफडब्ल्यू डिवलेपमेंट बैंक ऑफ जर्मनी के बीच सहभागिता के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है, जबकि विभिन्न शेयरधारकों की सहभागिता भी बढ़ी है। अपनी तरह का प्रथम सम्मेलन, इस प्रकार संरचित किया गया जिससे कार्यक्रम से संबद्ध विभिन्न शेयरधारकों के विचार, दृष्टिकोण और अनुभवों को साझा किया जा सके।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, श्री एच.आर.खान, डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक ने रा.आ.बैंक-केएफडब्ल्यू सहभागिता की सराहना की और यह आशा व्यक्त की कि समय के साथ कार्यक्रम उम्दा एवं व्यापक होता जाएगा। श्री खान के साथ मंच पर अन्य प्रसिद्ध वक्ताओं में श्री अजय माथुर, महानिदेशक, ब्यूरो ऑफ ऐनर्जी ऐफिशियेंसी, श्री पीटर हिल्गिस, इंडिया कंट्री हेड, केएफडब्ल्यू डिवलेपमेंट बैंक, जर्मनी और इनके साथ ही श्री आर.वी.वर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय आवास बैंक शामिल थे। उद्घाटन सत्र के वक्ताओं ने ऊर्जा दक्ष आवासों की संकल्पना पर अपने विचार और राय साझा किये और सहभागियों को नई अंतर्दृष्टि एवं दृष्टिकोण प्रदान किये। बाद के सत्रों में अन्य वक्ताओं एवं सहभागियों में बैंकों, आ.वि. कंपनियों, औद्योगिक निकायों, विकासकों के समुदाय, उद्योग कारोबारियों के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों जैसे केएफडब्ल्यू, आईएफसी, डब्ल्यूबी, डीएफआईडी और अनुसंधान संस्थानों जैसे दि ऐनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट (टेरी), एडेल्फी एंड ऐन्वायरमेंटल डिजाइन सॉल्यूशन (पी) लि. (ईडीएस),
सीआईआई-इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) आदि से प्रतिनिधि शामिल थे।

उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त सम्मेलन में 04 तकनीकी सत्र आयोजित किये गये जिनमें ऊर्जा दक्ष आवासों हेतु डिजाइन, बिजनेस केसिज़, फाइनेंसिंग मॉडल्स तथा डिमांड क्रियेशन जैसे क्षेत्र समाविष्ट थे। दो दिन की अवधि के दौरान सम्मेलन में ऊर्जा दक्ष आवासों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और उक्त पर विभिन्न विचार प्रस्तुत किये गये, जिनमें महत्वपूर्ण हैं अंतिम उपभोक्ता को स्पष्ट लाभ उपलब्ध करवा कर और सचेत प्रयासों के माध्यम से हरित आवासों की संकल्पना के संबंध में जागरूकता बढ़ाना, ग्रामीण आवासों के लिये कार्यक्रम को व्यापक बनाना, ऊर्जा दक्ष परियोजनाओं के विश्वसनीय प्रमाणपत्र की आवश्यकता, कार्यक्रम को बढ़ावा देने में स्थानीय निकायों की भागीदारी, इसी तरह के कार्यक्रमों में सहभागिता द्वारा प्राथमिक ऋणदाता संस्थानों (पीएलआई) के सीएसआर लक्ष्य प्राप्त करने के लिये वित्तीय हस्तक्षेप द्वारा कार्यक्रम का उन्नयन।

शेयर धारकों के बीच ज्ञान, अनुभव एवं जानकारी बांटने के लिये और शेयर धारकों के विभिन्न वर्गों द्वारा झेली जा रही विभिन्न समस्याओं की पहचान करने के लिये भी बैठक ने एक मंच के तौर पर कार्य किया तथा इन समस्याओं का समाधान करने के लिये ऐसे तरीके सुझाये गये ताकि कार्यक्रम का उन्नयन हो और प्रत्यक्ष तरीके से ऊर्जा दक्ष आवासों के स्वामित्व में वृद्धि हो।

प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्री आर.वी.वर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रा.आ.बैंक। **मंच पर:** श्री अर्णब रॉय, कार्यपालक निदेशक, रा.आ.बैंक; श्री अजय माथुर, महानिदेशक, बीईई; श्री एच.आर. खान, डीजी, भारतीय रिजर्व बैंक; श्री पीटर हिल्गिस, कंट्री हेड-इंडिया, केएफडब्ल्यू